# डिजिटलीकरण और लेखांकन

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अनुक्रमणिका

1 OTP को समझना
2 डिजिटल वित्तीय लेनदेन के लिए नियम और प्रक्रियाएं
3 क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड
4 चालू खाता और बचत खाता
5 पॉइंट ऑफ सेल (POS)
6 यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI)
7 AEPS [आधार सक्षम भुगतान प्रणाली]
8 USSD - असंरचित पूरक सेवा डेटा

Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अनुक्रमणिका

9 ई-वॉलेट
10 इंटरनेट बैंकिंग
11 नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT)
12 रीयल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS)
13 तत्काल भुगतान सेवा (IMPS)
14 ऑनलाइन बिल भुगतान
15 प्रमुख निष्कर्ष

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# पाठ योजना

यह मॉड्यूल प्रतिभागियों को डिजिटल वित्तीय उपकरण - वित्तीय साक्षरता से परिचित कराता है।

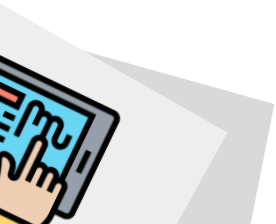





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# उद्देश्य/उम्मीदें

- प्रतिभागियों की वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए डिजिटल वित्तीय उपकरण से अवगत कराना।
- प्रतिभागियों को व्यवसाय के लिए उपयोग करने के लिए डिजिटल वित्तीय उपकरणों का उपयोग करने से परिचित कराने में मदद करना।

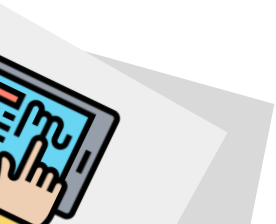

# आवश्यक सामग्री

- डिजिटल वित्तीय उपकरण - वित्तीय साक्षरता की सॉफ्ट कॉपी और हार्ड कॉपी।
- खाली A4 आकार की शीट्स
- प्रोजेक्टर
- लैपटॉप
- व्हाइटबोर्ड
- डस्टर
- कलम (व्हाइटबोर्ड के लिए)

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# वन टाइम पासवर्ड [OTP]

# 01

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# OTP क्या है?

- OTP को वन टाइम पासवर्ड के रूप में भी जाना जाता है।
- यह उत्पन्न किया जाता है और विशिष्ट लेनदेन को मान्य करने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है।
- यह आपके लेन-देन का विवरण दर्ज करने के कुछ सेकंड के भीतर आपके मोबाइल नंबर पर भेज दिया जाता है और आपके फोन पर केवल 2 मिनट तक रहता है।
- यह कार्ड और ऑनलाइन लेनदेन के लिए सुरक्षा की एक बढ़ी हुई स्तर प्रदान करता है।
- OTP पासवर्ड के पर और पर सुरक्षा का एक अतिरिक्त स्तर जोड़ता है।

# OTP कैसे जनरेट किया जाता है और इसका उपयोग कैसे किया जाता है?

**उदाहरण: डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करते समय निम्नलिखित चरण शामिल हैं:**

- उपयोगकर्ता एक ऑनलाइन खरीदारी करता है और भुगतान के तरीके का चयन करता है।
- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ता को CVV कोड दर्ज करने के लिए कहता है।
- OTP जनरेट होता है और आपके पंजीकृत मोबाइल नंबर, ईमेल या फोन कॉल या बैंक द्वारा चुने गए किसी समर्पित चैनल पर भेजा जाता है।
- उपयोगकर्ता द्वारा OTP दर्ज किया जाता है।
- लेनदेन पूरा हो गया है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# सावधानियां

- कभी भी अपना OTP और PIN नंबर किसी को न बताएं।
- बैंक आपसे कभी भी OTP, PIN, CVV और अन्य जैसे क्रेडेंशियल नहीं मांगेंगे।
- इन क्रेडेंशियल्स की जानकारी आपको साइबर सुरक्षा खतरों के प्रति संवेदनशील बनाती है।
- यदि दूसरा व्यक्ति आपका OTP, PIN, CVV नंबर या अन्य क्रेडेंशियल मांगता है तो किसी भी कॉल को न उठाएं या कॉल काट दें।
- यदि आप अपने "बैंक प्रबंधक" से कॉल प्राप्त करते हैं, तो उसे आपसे अपनी मातृभाषा में बात करने के लिए कहें या उसे बताएं कि आप शाखा में जाएंगे या उससे कई प्रश्न पूछेंगे जब तक कि आप संतुष्ट न हों कि यह आपका वास्तविक बैंक प्रबंधक है जो आपको कॉल कर रहा है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# डिजिटल वित्तीय लेनदेन के लिए नियम और प्रक्रियाएं

# 02

Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# डिजिटल ID

- पेपर-आधारित ID जैसे कि अधिकांश ड्राइवर के लाइसेंस और पासपोर्ट के विपरीत, डिजिटल ID को डिजिटल चैनलों पर दूरस्थ रूप से प्रमाणित किया जा सकता है, डिजिटल ID राष्ट्रीय या स्थानीय सरकार द्वारा जारी की जा सकती है।
- उदाहरण – भारत से आधार ID



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

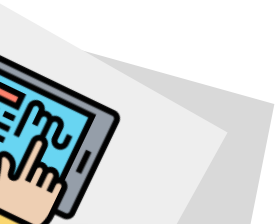

# डिजिटल ID

## डिजिटल ID की विशेषताएं

- उच्च स्तर के आश्वासन के लिए सत्यापित और प्रमाणित
- विशिष्ट
- व्यक्तिगत सहमति से स्थापित
- उपयोगकर्ता गोपनीयता की सुरक्षा करता है और व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण सुनिश्चित करता है

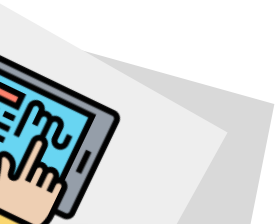

# अपने ग्राहक को जानें

अपने ग्राहक को जानें या KYC जैसा कि आमतौर पर जाना जाता है, बैंकों, बीमा कंपनियों और अन्य संस्थानों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ लेनदेन करने से पहले या जब वे सभी ग्राहकों और ग्राहकों की पहचान और पते के सत्यापन की प्रक्रिया को संदर्भित करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सभी बैंकों, वित्तीय संस्थानों और वित्तीय लेनदेन करने वाली किसी भी अन्य डिजिटल भुगतान कंपनियों के लिए KYC अनिवार्य कर दिया है।

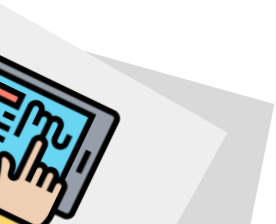



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अपने ग्राहक को जानें

**भारत में KYC के लिए आवश्यक दस्तावेज: पहचान का प्रमाण**

- आधार, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस और वोटर आईडी कार्ड जैसे विशिष्ट पहचान संख्या (UID)।
- पैन कार्ड
- आपकी फोटो के साथ पहचान पत्र या दस्तावेज, जो किसी भी वैधानिक/नियामक प्राधिकरण, केंद्र/राज्य सरकार और उनके विभागों द्वारा जारी किया गया हो।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी पहचान पत्र।
- कॉलेजों द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र, जो विश्वविद्यालयों से संबद्ध हैं, ICAI, ICWI, ICSI और बार काउंसिल सहित व्यावसायिक निकाय अपने सदस्यों को देते हैं।

# अपने ग्राहक को जानें

**भारत में KYC के लिए आवश्यक दस्तावेज: पते का प्रमाण**

- पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, पंजीकृत बिक्री या निवास का पट्टा समझौता, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा प्रति या फ्लैट रखरखाव बिल
- उपयोगिता बिल जैसे लैंडलाइन टेलीफोन बिल, गैस बिल या बिजली बिल (तीन महीने से अधिक पुराना नहीं)
- बैंक खाता विवरण या पासबुक प्रविष्टियां (तीन महीने से अधिक पुरानी नहीं)
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा स्व-घोषणा, जो उनके नए पते को निर्दिष्ट करते हैं



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अपने ग्राहक को जानें

- निम्नलिखित में से किसी भी निकाय द्वारा जारी निवास का प्रमाण:
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के बैंक प्रबंधक
- बहुराष्ट्रीय विदेशी बैंक, अनुसूचित सहकारी बैंक
- विधान सभा के निर्वाचित प्रतिनिधि
- राजपत्रित अधिकारी, नोटरी पब्लिक, संसद
- किसी भी सरकार या सांविधिक प्राधिकरण द्वारा जारी दस्तावेज
- केंद्र या राज्य सरकार और उनके विभागों, वैधानिक या नियामक प्राधिकरणों, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों और अपने सदस्यों को ICAI, ICWAI, बार काउंसिल और ICSI जैसे व्यावसायिक निकायों से संबद्ध कॉलेजों द्वारा जारी किए गए पते के साथ पहचान पत्र या दस्तावेज।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अपने ग्राहक को जानें

**भारत में KYC कैसे करें?**

आप नीचे बताए गए चरणों का पालन करके आधार आधारित KYC और ऑफलाइन KYC कर सकते हैं:

**आधार आधारित KYC या ऑनलाइन KYC**

- पंजीकृत KYC पंजीकरण एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना खाता बनाएं और अपना विवरण जैसे नाम, जन्म तिथि और पता भरें
- अपना आधार कार्ड नंबर, पंजीकृत मोबाइल नंबर प्रदान करें और OTP का उपयोग करके उन्हें सत्यापित करें
- ई-केवाईसी के लिए सहमति घोषणा शर्तों को स्वीकार करने के बाद ई-आधार की एक स्व-सत्यापित प्रति अपलोड करें



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अपने ग्राहक को जानें

**भारत में केवाईसी कैसे करें?**

आप नीचे बताए गए चरणों का पालन करके आधार आधारित KYC और ऑफलाइन KYC कर सकते हैं:

**ऑफलाइन KYC**

- आप अपनी बीमा कंपनी या बैंक से KYC आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं और अपना विवरण भर सकते हैं
- संबंधित अधिकारियों को KYC फॉर्म की एक भौतिक प्रति पर हस्ताक्षर करें और जमा करें
- KYC के साथ निवास प्रमाण, ID प्रमाण और अपने पासपोर्ट आकार के फोटो की सत्यापित फोटोकॉपी संलग्न करें





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड

# 03

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

**वीडियो लिंक –**
https://www.youtube.com/watch?v=XrSZ6CV2H0k

नकदी की परेशानी के बिना भुगतान करने के लिए डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड आज ग्राहकों के लिए जीवन का एक अभिन्न तरीका बन गए हैं। भुगतान के इन तरीकों के बिना आज की दुनिया में जीवित रहना लगभग असंभव लगता है

# वाणिज्यिक कार्ड

इनमें इंस्टालमेंट कार्ड, बिजनेस डेबिट कार्ड और बिजनेस क्रेडिट कार्ड शामिल हैं और बिजनेस लाइफ के निम्नलिखित 3 चरणों में छोटे बिजनेस के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं - स्थापना, विकास और विस्तार।

**वाणिज्यिक कार्ड के लाभ**

- नियंत्रण में वृद्धि क्योंकि यह विनियमों का पालन करने में मदद करता है और धोखाधड़ी और दुरूपयोग के जोखिम को कम करता है
- प्रत्यक्ष बचत
- दक्षता - यह कागज रहित समाधान और लेखा सेवाएं प्रदान करता है
- सुरक्षा और सुरक्षा और आपातकालीन नकद
- ब्रांड पहचान और सहायता





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

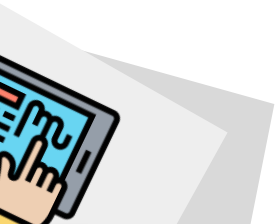

# वाणिज्यिक कार्ड

**इंस्टॉलमेंट कार्ड**

यह एक प्रकार का वाणिज्यिक कार्ड है जो उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए खरीद पर खर्च की गई राशि को किश्तों में परिवर्तित करता है।

**इंस्टॉलमेंट कार्ड के लाभ**

- परिचित - उपयोगकर्ता किश्तों में भुगतान करने के आदी हैं, कार्ड छोटे व्यवसायों के लिए समान सिद्धांत पर आधारित है।
- सीमित क्रेडिट जोखिम
- लचीला और अनुकूलन योग्य किस्त आकार
- उपयोगकर्ताओं के डिजिटल ऑनबोर्डिंग में मदद करता है

# डेबिट कार्ड

डेबिट कार्ड ग्राहकों को भुगतान करने की अनुमति देता है जो एक टैप पर सीधे खाते से काट लिया जाता है।

**डेबिट कार्ड संख्या**

- आपके डेबिट कार्ड के सामने की ओर 16 अंकों की संख्या
- यह विशिष्ट है और मुख्य रूप से आपके डेबिट कार्ड का प्रतिनिधित्व और पहचान करता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# डेबिट कार्ड

**बिजनेस डेबिट कार्ड**

- यह एक प्रकार का डेबिट कार्ड है जिसे व्यवसायों द्वारा उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। यह व्यावसायिक खर्चों को ट्रैक और मॉनिटर करने में मदद करता है।
- यह भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है
- व्यवसाय को बजट बनाए रखने की अनुमति देता है।
- बिजनेस क्रेडिट कार्ड की तुलना में इसे प्राप्त करना आसान है और उच्च सुरक्षा प्रदान करता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# क्रेडिट कार्ड

क्रेडिट कार्ड धारकों को धन उधार लेने की अनुमति देता है जिसके साथ भुगतान के लिए कार्ड स्वीकार करने वाले व्यापारियों के साथ वस्तुओं और सेवाओं के लिए भुगतान करना है। क्रेडिट कार्ड यह शर्त लगाते हैं कि कार्डधारक उधार ली गई धनराशि, साथ ही लागू ब्याज, साथ ही किसी भी अतिरिक्त सहमत-शुल्क का भुगतान बिलिंग तिथि या समय के साथ पूर्ण रूप से कर दें।

**बिजनेस क्रेडिट कार्ड:** यह व्यक्तिगत उपयोग के लिए नहीं बल्कि व्यावसायिक खर्चों के लिए बनाया गया है। व्यवसाय महीने में एक बार इस कार्ड का उपयोग करके अपने खर्चों का भुगतान कर सकता है। ये कार्ड खर्चों पर नजर रखने में मदद करते हैं।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# क्रेडिट कार्ड

व्यवसाय को व्यवसाय क्रेडिट कार्ड का उपयोग क्यों करना चाहिए?

- ब्याज मुक्त चुकौती अवधि
- मासिक किस्त विकल्प
- व्यय के लिए पुरस्कार - कार्ड धारक को कैशबैक, रिवार्ड पॉइंट मिल सकते हैं।
- नकद अग्रिम सुविधा - कार्ड धारक इस सुविधा का विकल्प भी चुन सकते हैं जहां वे कार्ड को स्वाइप करके ATM से एक निश्चित राशि प्राप्त कर सकते हैं।
- सरल प्रबंधन - श्रेणीवार व्यय ट्रैकिंग और रिपोर्ट निर्माण।
- जीवन शैली लाभ
- ग्राहक सेवा - व्यवसाय का मालिक कार्ड जारी करने वाले बैंक से संपर्क कर मामले को सुलझा सकता है।

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग

- PoS मशीन पर स्वाइप करना
- किराने का सामान, किराना स्टोर या विलासिता के सामान की खरीदारी
- उपयोगिता बिलों का भुगतान
- उबर, ओला, आदि का भुगतान करना
- व्यवसाय में भुगतान स्वीकार करना



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# डेबिट और क्रेडिट कार्ड के लाभ

- अनुकूल कार्य वातावरण बनाना
- व्यय प्रबंधन और निगरानी में आसानी
- पूर्ण नियंत्रण और सेटिंग सीमा
- डैशबोर्ड और पूर्ण दृश्यता
- अन्य व्यावसायिक खर्चों के लिए आसान भुगतान विकल्प

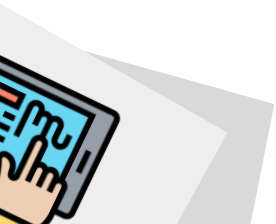

# डेबिट/क्रेडिट कार्ड के उपयोग के लिए सावधानियां

- बैंक से प्राप्त होने पर तुरंत अपने कार्ड के पीछे हस्ताक्षर करें।
- कार्ड के पीछे हमेशा 3 अंकों का सीवीवी नंबर मिटा दें। इसे अपने उपयोग के लिए याद रखें।
- अपना क्रेडिट/डेबिट कार्ड नंबर, पिन नंबर किसी के साथ साझा न करें, यहां तक कि बैंक अधिकारियों के साथ भी नहीं।
- अपना पिन नंबर कहीं भी न लिखें। याद कर लें।
- अपना OTP (वन टाइम पासवर्ड) फोन या मेल पर किसी के साथ साझा न करें।
- सार्वजनिक नेटवर्क, यानी इंटरनेट कैफे, मुफ्त वाई-फाई, आदि का उपयोग करते समय वित्तीय लेनदेन न करें



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# चालू खाता और बचत खाता

# 04

Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# चालू खाता

- चालू खाता व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए एक बैंक खाता है। यह दिन-प्रतिदिन के व्यावसायिक लेनदेन को आसानी से करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- चालू खाता एक बैंक जमा है जिसे जमाकर्ता द्वारा किसी भी समय निकाला जा सकता है। जमाकर्ता इस खाते को एक दिन में कितनी बार संचालित करने के लिए स्वतंत्र है, जबकि बचत खातों के लिए केवल सीमित लेनदेन की अनुमति है।
- यह खाता आमतौर पर उन लोगों द्वारा खोला जाता है जो व्यापार, व्यवसाय और प्रोफेशन से जुड़े होते हैं।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# बचत खाता

- बचत खाता एक वित्तीय साधन है जो आपको अतिरिक्त ब्याज अर्जित करने के अलावा आपके धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करता है।
- आपके व्यक्तिगत वित्त के प्रबंधन के लिए बचत खाता मौलिक है। उपयोगिता बिलों का भुगतान करने के लिए, धन हस्तांतरण/निकासी, दुकान, और आकस्मिक जरूरतों को पूरा करने या यहां तक कि अन्य वित्तीय साधनों में निवेश करने के लिए।

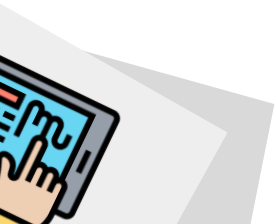

# बचत खाते और चालू खाते के बीच अंतर

- **अर्थ**

बचत खाता एक जमा खाता है जो सीमित लेनदेन की अनुमति देता है, जबकि एक चालू खाता दैनिक लेनदेन के लिए होता है।

- **उपयुक्तता**

बचत खाता उन लोगों के लिए सबसे उपयुक्त है जो वेतनभोगी कर्मचारी हैं या जिनकी मासिक आय है, जबकि, चालू खाते उन व्यापारियों और उद्यमियों के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं, जिन्हें अपने खातों को बार-बार एक्सेस करने की आवश्यकता होती है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# बचत खाते और चालू खाते के बीच अंतर

- **ब्याज**

बचत खाते में लगभग 4% की दर से ब्याज मिलता है, जबकि चालू खाते से सा कोई उपार्जन नहीं होती है। चालू खाता वास्तव में एक बिना ब्याज वाला जमा खाता है।

- **ओवरड्राइंग**

जब आप खाते से वास्तव में मौजूद राशि से अधिक पैसा निकालते हैं, तो आपके खाते को ओवरड्राउन कहा जाता है। बचत खाते के मामले में, बैंक न तो ओवरड्राफ्ट की सुविधा प्रदान करते हैं और न ही अनुमति देते हैं, जबकि यह सुविधा चालू खाते के साथ प्रदान की जाती है।

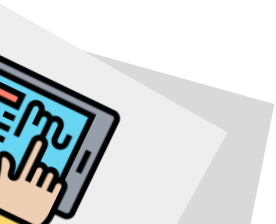





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# बचत खाते और चालू खाते के बीच अंतर

- **न्यूनतम राशि**

बचत खाते को बनाए रखने के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि आमतौर पर कम होती है, लेकिन चालू खाते के लिए यह तुलना में बहुत अधिक है।



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# PoS - पॉइंट ऑफ सेल

# 05

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# PoS डिवाइस क्या है?

वीडियो लिंक -
https://www.youtube.com/watch?v=A0dXHbxgW6A

- PoS या स्वाइप मशीन, जैसा कि लोकप्रिय रूप से जाना जाता है, एक तकनीकी उपकरण है जो एक व्यापारिक प्रतिष्ठान (ME) को कैशलेस वातावरण में ग्राहकों को सामान या सेवाओं की बिक्री करने के लिए प्रदान किया जाता है। ग्राहक को केवल अपना डेबिट, क्रेडिट या प्रीपेड कार्ड स्वाइप करना है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# विशेषताएं और लाभ

- तेजी से आवेदन प्रसंस्करण और टर्मिनल स्थापना।
- बेहतर कनेक्टिविटी।
- T+1 के आधार पर समाधान।
- सुनिश्चित TAT के साथ हेल्पडेस्क।
- नाममात्र शुल्क / मासिक शुल्क
- कोई छिपा हुआ शुल्क नहीं
- EMI सुविधा उपलब्ध
- बैंक वीजा, मास्टर, रूपे कार्ड और डिस्कवर कार्ड जैसे विभिन्न प्रकार के कार्ड स्वीकार करता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# पात्रता

- व्यापारी का बैंक की किसी शाखा में चालू खाता होना चाहिए जिसमें खाता संचालन संतोषजनक हो।
- मर्चेंट रिटेल/ओवर द काउंटर ट्रेड में होना चाहिए और अनाचार के लिए वीजा/मास्टरकार्ड नकारात्मक सूची में नहीं होना चाहिए।
- कार्ड के माध्यम से व्यापारी के व्यापारी का कारोबार 50000 रुपये/माह से अधिक होना चाहिए।
- व्यापारी के पास सामान्य EDC टर्मिनल के लिए एक निश्चित लैंडलाइन कनेक्शन होगा अन्यथा उन्हें GPRS आधारित मशीन के लिए आवेदन करना होगा।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# आवेदन कैसे करें?

- यह एक सरल प्रक्रिया है जहां व्यापारी को एक नामांकन फॉर्म भरना होता है और बैंक के साथ एक समझौता करना होता है।
- इस आवेदन को उस बैंक शाखा के माध्यम से संसाधित किया जाना है जहां व्यापारी का चालू खाता है।

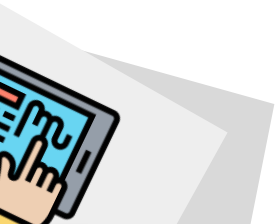



Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# PoS के प्रकार

**PHYSICAL POS**

Physical Card Swiping – PTSN with landline / GPRS enabled

**MPOS**

Phone connected with external POS device through jack / Bluetooth

**V-POS**

Virtual E-payment Gateway

1. SWIPE A DEBIT/CREDIT CARD ON THE POS MACHINE

2. ENTER AMOUNT TO BE PAID AND PIN



3. GENERATE RECEIPT

# भौतिक PoS की स्थापना

- लेनदेन के लिए चालू खाता खोलें/पहचानें
- आवेदन पत्र भरें (ऑनलाइन/शाखा में)
- आवश्यक (लैंडलाइन/GPRS) PoS के प्रकार की पहचान करें





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

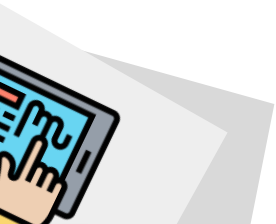

# भौतिक PoS की स्थापना

**निम्नलिखित दस्तावेज जमा करें:**

- व्यवसाय का प्रमाण (कोई भी एक)
- दुकान और प्रतिष्ठान पंजीकरण प्रमाण पत्र
- वैट प्रमाणपत्र
- विक्री कर

**पता का प्रमाण**

- प्रोपराइटर / पार्टनर का फोटो पहचान प्रमाण
- वित्तीय विवरण
- बैंक स्टेटमेंट
- आय कर रिटर्न



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# भौतिक PoS की स्थापना

- व्यापारी द्वारा MDR की स्वीकृति
- व्यापारिक प्रतिष्ठान समझौते का निष्पादन

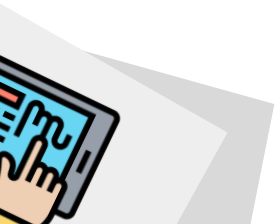



Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# मोबाइल PoS की स्थापना

Note: mSwipe is used as an example of MPOS here

# V-PoS की स्थापना

- PoS मशीन की जरूरत नहीं
- QR कोड व्यापारी के बैंक खाते में भुगतान के लिए प्रयोग किया जाता है
- मर्चेंट बैंक खाते की पूर्ण गोपनीयता



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# अभ्यास अवश्य करें

- प्रत्येक लेनदेन का SMS द्वारा नियमित जानकारी पाने के लिए बैंक में अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत करें
- कभी भी अपना पिन किसी से शेयर न करें
- केवल विश्वसनीय मर्चेंट पर ही लेन-देन करें
- ATM में रहते समय यह सुनिश्चित करें कि कोई आपको पीछे से दिख नहीं रहा हो



CII Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

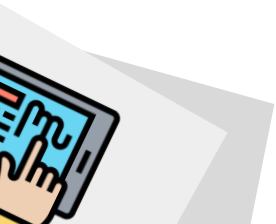

# अपने PoS सिस्टम (व्यवसायों के लिए) की सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम अभ्यास

- एंटीवायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें।
- एन्क्रिप्शन का प्रयोग करें।
- वीडियो निगरानी के साथ टर्मिनलों की निगरानी करें।
- मजबूत पासवर्ड का उपयोग करके अपने नेटवर्क को सुरक्षित करें।
- PoS निगरानी उपकरण लागू करें।
- PoS उपकरणों के सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें।
- सुरक्षा जांच चलाकर नियमित रूप से अपने सिस्टम का परीक्षण करें।
- मल्टीफैक्टर प्रमाणीकरण सक्षम करें और जटिल पासवर्ड का उपयोग करें
- अपने PoS डिवाइस को लॉक करके या अलार्म सिस्टम इंस्टॉल करके भौतिक रूप से सुरक्षित करें।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस [UPI]

# 06

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

**वीडियो लिंक -**
https://www.youtube.com/watch?v=VSNcGeLXH34

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) एक सी प्रणाली है जो एक ही मोबाइल एप्लिकेशन (किसी भी भाग लेने वाले बैंक के) में कई बैंक खातों को शक्ति प्रदान करती है, जिसमें कई बैंकिंग सुविधाओं, निर्बाध फंड रूटिंग और मर्चेंट भुगतान को एक हुड में शामिल किया जाता है।

# UPI की विशिष्ट विशेषताएं

- 24*7 और 365 दिनों पूरे समय में मोबाइल फोन के माध्यम से तत्काल धन हस्तांतरण।
- विभिन्न बैंक खातों तक पहुंचने के लिए एकल मोबाइल एप्लिकेशन।
- सिंगल क्लिक 2 फैक्टर ऑथेंटिकेशन - नियामक दिशानिर्देशों के साथ संरेखित, फिर भी निर्बाध सिंगल क्लिक भुगतान की एक बहुत मजबूत सुविधा प्रदान करता है।
- दोस्तों के साथ बिल साझा करना।
- कैश ऑन डिलीवरी पर कोई परेशानी नहीं, ATM तक जाना या सटीक राशि प्रदान करना।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# UPI की विशिष्ट विशेषताएं

- एकल एप्लीकेशन या इन-ऐप पेमेंट के साथ व्यापारी भुगतान।
- उपयोगिता बिल भुगतान, काउंटर भुगतान पर, बारकोड (स्कैन और भुगतान) आधारित भुगतान।
- सीधे मोबाइल प से शिकायत उठाना।

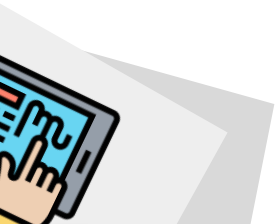



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# UPI के प्रतिभागी

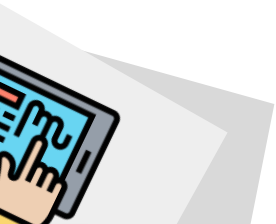

- भुगतानकर्ता PSP
- आदाता PSP
- प्रेषक बैंक
- लाभार्थी बैंक
- NPCI
- बैंक खाता धारक
- मर्चेंट्स

# UPI – पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को लाभ

**मर्चेंट्स के लिए लाभ:**

- ग्राहकों से आसान फंड संग्रह।
- ग्राहक के भुगतान साधन डेटा को बचाने का कोई जोखिम नहीं।
- जिन ग्राहकों के पास क्रेडिट/डेबिट कार्ड नहीं हैं, उन पर टैप करें।
- ई-कॉम और एम-कॉम लेनदेन के लिए उपयुक्त।
- कैश ऑन डिलीवरी की समस्या का समाधान।
- ग्राहक के लिए सिंगल क्लिक टू फैक्टर प्रमाणीकरण सुविधा
- इन-ऐप पेमेंट



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# UPI – पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को लाभ

**अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए लाभ:**

- चौबीसों घंटे उपलब्धता
- विभिन्न बैंक खातों तक पहुंचने के लिए सिंगल एप्लीकेशन
- वर्चुअल ID का उपयोग अधिक सुरक्षित है, कोई क्रेडेंशियल साझाकरण नहीं
- सिंगल क्लिक प्रमाणीकरण
- सीधे मोबाइल प से शिकायत उठाएं

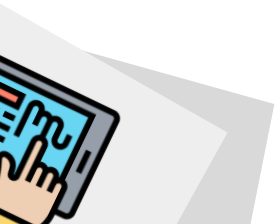

# UPI - पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को लाभ

**UPI सक्षम एप्लिकेशन में पंजीकरण कैसे करें**

**पंजीकरण के लिए चरण:**

- उपयोगकर्ता UPI एप्लिकेशन को प स्टोर/बैंक की वेबसाइट से डाउनलोड करता है
- उपयोगकर्ता नाम, वर्चुअल ID (भुगतान पता), पासवर्ड आदि जैसे विवरण दर्ज करके अपना प्रोफाइल बनाता है।
- उपयोगकर्ता “जोड़ें/लिंक करें/बैंक खाता प्रबंधित करें” विकल्प पर जाता है और बैंक एवं खाता संख्या को वर्चुअल ID से जोड़ता है



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# UPI – पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को लाभ

**UPI लेनदेन करने के चरण**

**वर्चुअल पते का उपयोग करके पैसे भेजना:**

- उपयोगकर्ता UPI एप्लिकेशन में लॉगिन करता है
- सफल लॉगिन के बाद, उपयोगकर्ता सेंड मनी/पेमेंट के विकल्प का चयन करता है
- उपयोगकर्ता लाभार्थी/प्राप्तकर्ता वर्चुअल ID, राशि दर्ज करता है और डेबिट किए जाने वाले खाते का चयन करता है
- उपयोगकर्ता को भुगतान विवरण की समीक्षा करने के लिए पुष्टिकरण स्क्रीन मिलती है और पुष्टि पर क्लिक करें
- उपयोगकर्ता अब UPI पिन दर्ज करता है
- उपयोगकर्ता को मिलता है सफल या विफलता का संदेश

# UPI – पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को लाभ

**UPI का उपयोग करके पैसे का अनुरोध करने के चरण:**

- उपयोगकर्ता अपने बैंक के UPI एप्लिकेशन में लॉगिन करता है
- सफल लॉगिन के बाद, उपयोगकर्ता धन (भुगतान के लिए अनुरोध) एकत्र करने के विकल्प का चयन करता है
- प्रयोक्ता प्रेषकों/भुगतानकर्ताओं की वर्चुअल ID, राशि और जमा किए जाने वाले खाते में प्रवेश करता है
- भुगतान विवरण की समीक्षा करने के लिए उपयोगकर्ता को पुष्टिकरण स्क्रीन मिलती है और पुष्टि पर क्लिक करता है



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

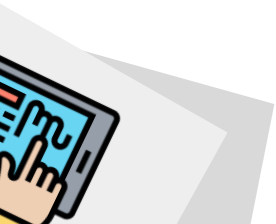

# UPI – पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को लाभ

**UPI का उपयोग करके पैसे का अनुरोध करने के चरण:**

- भुगतानकर्ता को पैसे के अनुरोध के लिए उसके मोबाइल पर सूचना मिल जाएगी
- भुगतानकर्ता अब अधिसूचना पर क्लिक करता है और अपना बैंक UPI ऐप खोलता है जहां वह भुगतान अनुरोध की समीक्षा करता है
- भुगतानकर्ता तब स्वीकार या अस्वीकार पर क्लिक करने का निर्णय लेता है
- भुगतान स्वीकार करने के मामले में, भुगतानकर्ता लेनदेन को अधिकृत करने के लिए UPI पिन दर्ज करेगा
- लेन-देन पूर्ण, भुगतानकर्ता सफल हो जाता है या लेनदेन अधिसूचना अस्वीकार कर देता है
- प्राप्तकर्ता/अनुरोधकर्ता को अपने बैंक खाते में क्रेडिट के लिए बैंक से अधिसूचना और SMS प्राप्त होता है



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

## सावधानियां

**जानिए आप किसके नाम पैसे ट्रांसफर कर रहे हैं**

- भुगतान करने से पहले व्यक्ति की UPI ID सत्यापित करें।

**अपना UPI पिन गोपनीय रखें**

- कभी भी अपना UPI पिन किसी के साथ साझा न करें और इसे केवल UPI पिन पेज पर दर्ज करें।

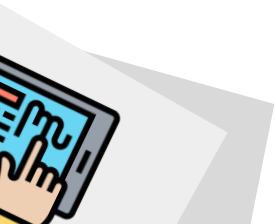



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# सावधानियां

**SMS नोटिफिकेशन पर डेबिट की गई राशि की जांच करें**

- प्राप्त SMS के माध्यम से डेबिट की पुष्टि करें - आपको तुरंत पता चल जाएगा कि आपके बैंक खाते से कितना पैसा डेबिट किया गया था।
- आपके खाते से डेबिट किए गए किसी भी पैसे के लिए एक SMS तत्काल अलर्ट के रूप में भी काम करता है।

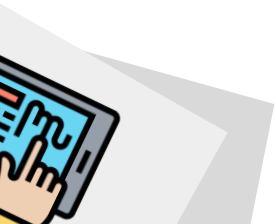





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# किसी भी समस्या के लिए UPI ऐप पर 'UPI हेल्प' सेक्शन देखें

- यदि भुगतान प्रक्रिया या किसी विशेष लेन-देन में कोई समस्या है, तो UPI ऐप पर ही UPI सहायता के माध्यम से तत्काल समाधान प्राप्त करें।
- UPI सहायता सेक्शन आपकी समस्याओं को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

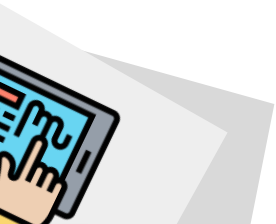





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# आधार सक्षम भुगतान प्रणाली [AEPS]

# 07

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

**वीडियो लिंक** -
https://www.youtube.com/watch?v=zMsXQEIzie8&list=RDCMUClQdid8n_ATBDek-k7Oj9Fw&index=3

AEPS एक बैंक के नेतृत्व वाला मॉडल है जो आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके किसी भी बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (BC)/बैंक मित्र के माध्यम से PoS (प्वाइंट ऑफ सेल/माइक्रो ATM) पर ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन की अनुमति देता है।

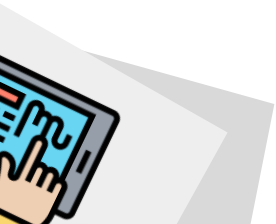



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# AEPS कैसे प्राप्त करें

- नया खाता खोलने के लिए अपने ग्राहक को जानिए (KYC) जानकारी प्रदान करें
- आधार नंबर को बैंक A/C से जोड़ा जाना चाहिए।

# सेवाओं की पेशकश

- बैलेंस पूछताछ
- नकद निकासी
- नकद जमा
- आधार से आधार फंड ट्रांसफर

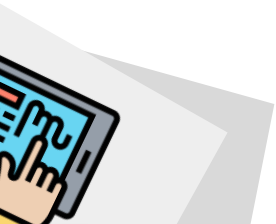



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# लेन-देन आवश्यकताएं

- माइक्रो ATM
- आधार याद रखें
- बैंक का नाम दें
- बायो-मेट्रिक्स (फिंगर और/या IRIS) के साथ स्वयं (आधार धारक) को प्रस्तुत करें
- सहायता प्राप्त मोड





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

## AEPS के लाभ

- प्रयोग करने में आसान
- संरक्षित और सुरक्षित भुगतान विधि
- विभिन्न बैंकों में अंत:प्रचालनीय
- वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करता है और समाज के कम बैंकिंग वर्गों की सेवा करता है
- बैंक खाताधारक आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से अपने बैंक खातों तक पहुंच सकेंगे
- लेन-देन शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी आधार संख्या और बायोमेट्रिक जानकारी है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# AEPS के लाभ

- AEPS आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके किसी भी केंद्र या राज्य सरकार के निकायों की NREGA, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विकलांग वृद्धावस्था पेंशन आदि जैसी सरकारी योजनाओं के संवितरण की सुविधा प्रदान करता है।

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# AEPS लेनदेन के चरण

- माइक्रो-ATM या बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट के पास जाएं
- अपने बैंक का नाम और आधार प्रदान करें
- चयन करें कि कौन-सा लेनदेन करना है
- स्कैनर पर फिंगरप्रिंट प्रदान करें
- सफल लेनदेन पर प्रिंट स्लिप लें
- प्रक्रिया पूरी हुई





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# सावधानियां

- कृपया किसी भी भौतिक रूप में या KYC दस्तावेज के रूप में बिना मास्क किया हुआ आधार संख्या साझा न करें
- बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण आधारित लेनदेन करते समय चिकनाई, पसीने से तर और सूखी उंगलियों का प्रयोग न करें
- अपने हाथों पर मेहंदी या टैटू के साथ लेनदेन करने से प्रमाणीकरण विफलता की संभावना बढ़ जाएगी
- किसी भी लेन-देन की प्रक्रिया को छोड़कर, कभी भी अपना फिंगरप्रिंट न दें
- यदि किसी ग्राहक को एक से अधिक बार U3 (बायोमेट्रिक मिसमैच) मिलता है, तो वह प्रमाणीकरण के लिए अपनी आईरिस का उपयोग कर सकता है या लेनदेन के अन्य मोड में स्विच करना चाहिए।
- प्रमाणीकरण करने के लिए तीसरे पक्ष के आधार का उपयोग न करें।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# USSD – असंरचित पूरक सेवा डेटा

# 08

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

## वीडियो लिंक

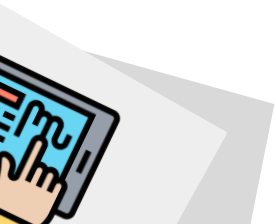

https://www.youtube.com/watch?v=zz6_HMH-S-o

# USSD क्या है?

- USSD एक प्रौद्योगिकी मंच है जिसके माध्यम से एक बुनियादी फोन पर GSM नेटवर्क के माध्यम से सूचना प्रसारित की जा सकती है।
- यह सेवा SMS सुविधा वाले सभी मोबाइल फोन पर उपलब्ध है।
- असंरचित पूरक सेवा डेटा (USSD) स्मार्टफोन या डेटा/इंटरनेट कनेक्शन के बिना उपयोगकर्ताओं को *99# कोड के माध्यम से मोबाइल बैंकिंग का उपयोग करने की अनुमति देता है।
- USSD-आधारित मोबाइल बैंकिंग का उपयोग फंड ट्रांसफर, अकाउंट बैलेंस चेक करने, बैंक स्टेटमेंट जेनरेट करने आदि के लिए किया जा सकता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

## USSD क्या है?

- पहल *99# भुगतान सेवा का मुख्य उद्देश्य समाज के कम बैंकिंग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के वित्तीय समावेशन की अनुमति देना और उन्हें मुख्यधारा की बैंकिंग में एकीकृत करना है।
- इस सेवा को सभी के लिए सुलभ बनाने के प्रयास में, यह सेवा अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं, जैसे- हिंदी, तमिल, बंगाली और कन्नड़ सहित 12 भाषाओं में उपलब्ध है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# *99# USSD का उपयोग करके MMID और मोबाइल नंबर से पैसे भेजें

- मोबाइल नंबर के साथ बैंक खाता पंजीकृत करें और *99# डायल करें
- इंटरफ़ेस खुल जाएगा और आप कर सकते हैं: अपने बैंक के संक्षिप्त नाम के 3 अक्षर या बैंक IFSC के पहले 4 अक्षर या 2-अंकीय बैंक संख्यात्मक कोड टाइप करें, 'भेजें' पर क्लिक कर आगे बढ़ें।
- अब, पैसे भेजने के लिए नंबर '3' चुनें और प्राप्तकर्ता/लाभार्थी के मोबाइल नंबर में आगे बढ़ें
- लाभार्थी/प्राप्तकर्ता MMID, लेन-देन राशि में कुंजी के लिए आगे बढ़ें
- एमपिन में कुंजी और आपके बैंक खाता संख्या के अंतिम 4 अंक



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# *99# USSD का उपयोग करके IFSC कोड और बैंक खाता संख्या से पैसे भेजें

- अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से *99# डायल करें
- अपने बैंक के संक्षिप्त नाम के 3 अक्षरों या बैंक IFSC के पहले 4 अक्षरों या 2-अंकीय बैंक न्यूमेरिक कोड की कुंजी के लिए आगे बढ़ें
- IFSC कोड और मोबाइल नंबर का उपयोग करके फंड ट्रांसफर करने का विकल्प चुनें
- लाभार्थी/प्राप्तकर्ता खाता संख्या, IFSC कोड और लेनदेन राशि दर्ज करें
- एमपिन में कुंजी और आपके बैंक खाता संख्या के अंतिम 4 अंक। स्क्रीन पर एक पुष्टिकरण संदेश प्रदर्शित होगा





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# USSD *99# सेवा की विशेषताएं और लाभ

- बुनियादी फोन पर डेटा कनेक्शन के बिना काम करता है
- चौबीसों घंटे काम करता है
- प्रयोग करने में आसान
- सभी GSM हैंडसेट पर काम करता है
- अत्यधिक सुरक्षित इंटरफ़ेस



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

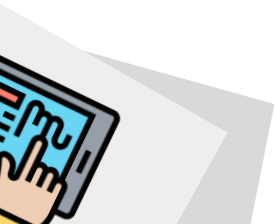

# USSD फंड ट्रांसफर के लिए आवश्यक सूचना/विवरण

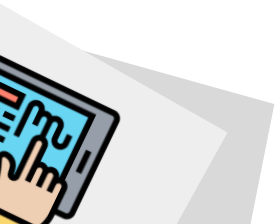

- MMID
- MPIN
- पंजीकृत मोबाइल नंबर

# IFSC कोड

- IFSC कोड एक 11-अंकीय अल्फ़ान्यूमेरिक कोड है जिसे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा प्रत्येक बैंक शाखा की पहचान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# MMID

- MMID, जिसे मोबाइल मनी आइडेंटिफ़ायर के रूप में भी जाना जाता है, एक 7-अंकीय कोड है जो बैंक ग्राहकों को जारी किया जाता है। इस कोड का उपयोग फंड ट्रांसफर प्रक्रिया के दौरान किया जाता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# USSD उपयोग करते समय सावधानियां

- हैंडसेट संगतता समस्या - उपयोगकर्ताओं को यह जांचना होगा कि उनका डिवाइस USSD का उपयोग करने के लिए संगत है या नहीं।
- तकनीकी त्रुटि/अस्वीकृत अनुरोध - विवरण के लिए एसएमएस की जांच करें।
- गलत उपयोगकर्ता इनपुट - IFSC कोड, खाता संख्या दर्ज करते समय सावधान रहें।

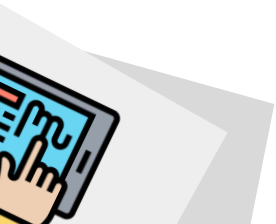

# ई वॉलेट

# 09

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

- वीडियो लिंक - https://www.youtube.com/watch?v=Cci3JcL727Q
- ई-वॉलेट एक प्रकार का प्रीपेड खाता है जिसमें उपयोगकर्ता भविष्य के किसी भी ऑनलाइन लेनदेन के लिए अपने पैसे जमा कर सकता है।
- ई-वॉलेट एक पासवर्ड से सुरक्षित होता है।
- ई-वॉलेट की मदद से, कोई किराने का सामान, ऑनलाइन खरीदारी और फ्लाइट टिकट के लिए भुगतान कर सकता है।

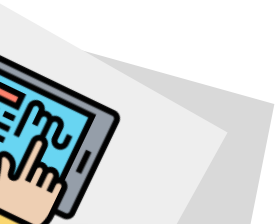





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# ई-वॉलेट कैसे सेटअप करें?

- ई-वॉलेट खाता स्थापित करने के लिए
- उपयोगकर्ता को अपने डिवाइस पर सॉफ्टवेयर इंस्टाल करने और आवश्यक प्रासंगिक जानकारी दर्ज करने की आवश्यकता होती है।
- ऑनलाइन खरीदारी करने के बाद, ई-वॉलेट स्वचालित रूप से भुगतान फॉर्म पर उपयोगकर्ता की जानकारी भर देता है।
- भुगतान के लिए ई-वॉलेट को सक्रिय करने के लिए, उपयोगकर्ता को अपना पासवर्ड दर्ज करना होगा।
- एक बार ऑनलाइन भुगतान हो जाने के बाद, उपभोक्ता को किसी अन्य वेबसाइट पर ऑर्डर फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि जानकारी डेटाबेस में संग्रहीत हो जाती है और स्वचालित रूप से अपडेट हो जाती है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# ई-वॉलेट कैसे काम करता है?

- डिजिटल वॉलेट उपयोगकर्ता के कार्ड विवरण को सहेजता है और उसे ऑनलाइन खरीदारी करने देता है।
- उदाहरण के लिए
- वॉलेट ग्राहकों को कार्ड विवरण दर्ज करके पहले सेवा के लिए पंजीकरण करने के लिए कहता है।
- सूचना को फिर एक चयनित प्रमाणीकरण प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित किया जाना है, जिसके बाद पंजीकरण पूरा हो जाएगा।
- यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद, कोई भी ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर भुगतान मोड के रूप में 'मास्टरपास के साथ खरीदें' विकल्प चुन सकता है, जिनके पास यह विकल्प है।
- भुगतान मास्टरपास कार्ड ID और पासवर्ड दर्ज करके किया जा सकता है और लेनदेन को 3 डी-सुरक्षित पिन या OTP के माध्यम से प्रमाणित किया जाएगा।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# QR कोड

- QR कोड एक प्रकार का बारकोड होता है जिसे स्मार्ट फोन जैसे डिजिटल डिवाइस द्वारा पढ़ा जा सकता है और जो एक चौकोर आकार के ग्रिड में जानकारी संग्रहीत करता है। पैसे भेजने और प्राप्त करने के लिए ई-वॉलेट में QR कोड का उपयोग किया जाता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# QR कोड

## क्यूआर कोड का उपयोग करते समय सावधानियां

- मोडुस ओपेरंडी
- जालसाज अक्सर विभिन्न बहाने से ग्राहकों से संपर्क करते हैं और भुगतान प का उपयोग करके QR कोड स्कैन करने के लिए उन्हें धोखा देते हैं। इससे जालसाज ग्राहक के खाते से पैसे निकाल सकते हैं।

## सावधानी

- भुगतान प्स का उपयोग करके किसी भी QR कोड को स्कैन करते समय सतर्क रहें। QR कोड में विशेष खाते में राशि स्थानांतरित करने के लिए खाता विवरण एम्बेड किया गया है।

# ई-कॉमर्स साइट पर डिजिटल वॉलेट का उपयोग करके भुगतान कैसे करें?

- ई-कॉमर्स साइट पर लॉगिन करें। संबंधित उत्पाद को कार्ट में जोड़ें
- भुगतान मोड के तहत, 'वॉलेट' चुनें
- संबंधित वॉलेट चुनें
- भुगतान करें





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

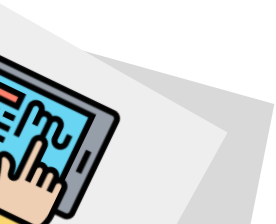

# डिजिटल वॉलेट का अनुप्रयोग/क्षेत्र

- ई-कॉमर्स वेबसाइटों से ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए डिजिटल वॉलेट का उपयोग किया जा सकता है
- बिजली, प्रीपेड रिचार्ज, मूवी टिकट बुकिंग, टेलीफोन बिल आदि जैसे विभिन्न उपयोगिता बिलों का भुगतान करने के लिए
- ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है
- यात्रा बुकिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है
- डिजिटल वॉलेट के जरिए ऑनलाइन फंड ट्रांसफर किया जा सकता है
- म्यूचुअल फंड और बीमा जैसे कई वित्तीय उत्पाद खरीदे जा सकते हैं



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

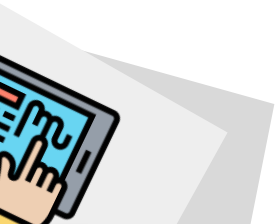

# भारतीय कैसे ऑनलाइन सुरक्षित रह सकते हैं?

**सुरक्षित कनेक्शन का ही उपयोग करें**

- केवल अपने पीसी और स्मार्टफोन के लिए उन्नत व्यापक सुरक्षा सॉफ्टवेयर के लिए जाएं। वीपीएन नेटवर्क पर वित्तीय लेनदेन करें और सार्वजनिक वाई-फाई से सावधान रहें।

**आधिकारिक वेबसाइटों से सीधे डिजिटल वॉलेट डाउनलोड करें**

- ई-मेल या संदेशों के माध्यम से प्राप्त लिंक पर क्लिक न करें। उनमें मालवेयर हो सकते हैं या वे हैक की गई वेबसाइटों तक ले जा सकते हैं। इसके बजाय अपने बैंक की आधिकारिक वेबसाइटों से या प स्टोर या प्ले स्टोर से डाउनलोड करें।

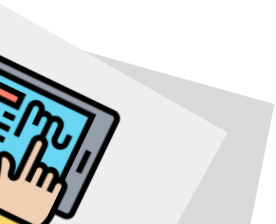



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# भारतीय कैसे ऑनलाइन सुरक्षित रह सकते हैं?

**'कार्ड सहेजें' बॉक्स को अनचेक करें**

- यह एक सुरक्षा उपाय है जो आपके बैंक खाते के विवरण को सुरक्षित रखने में मदद करेगा यदि आपके खाते या साइट से छेड़छाड़ की जाती है।

**बहु-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें**

- जटिल पासवर्डों को संग्रहीत करने और बनाने में आपकी सहायता के लिए पासवर्ड प्रबंधन टूल का उपयोग करें, और अपने उपकरणों और ऑनलाइन खातों पर बहु-कारक प्रमाणीकरण सक्षम करें।

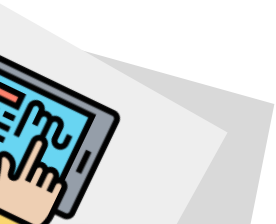

# भारतीय कैसे ऑनलाइन सुरक्षित रह सकते हैं?

**फिशिंग स्कैम से सावधान रहें**

- पूर्व सत्यापन के बिना अजनबियों के ई-मेल का जवाब देने और अटैचमेंट या लिंक खोलने से बचें। इस बात का ध्यान रखें कि आप ऑनलाइन क्या साझा करते हैं और कभी भी अपने बैंक या व्यक्तिगत विवरण को टेली कॉल करने वालों को अपने बैंक से न बताएं।

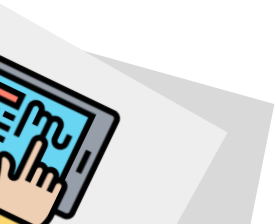



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# इंटरनेट बैंकिंग

# 10

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# नेट बैंकिंग क्या है?

- नेट बैंकिंग, जिसे ऑनलाइन बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग के रूप में भी जाना जाता है, एक इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली है।
- यह आपको कई अलग-अलग प्रकार के लेन-देन करने की अनुमति देता है जैसे कि अपने घर से इंटरनेट के माध्यम से धन हस्तांतरण या लेनदेन विवरण की जांच करना।

# इंटरनेट बैंकिंग कैसे काम करती है?

- ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन करने के लिए, आपको बस अपने बैंक की वेबसाइट पर लॉगिन करना होगा।
- अपने ऑनलाइन बैंकिंग खाते में लॉगिन करने के लिए आपको केवल एक पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप, या यहां तक कि एक मोबाइल फोन और एक इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता है।
- एक बार लॉगिन करने के बाद, आप व्यक्तिगत रूप से बैंक जाने की आवश्यकता के बिना अपने बैंक द्वारा ऑनलाइन प्रदान की जाने वाली कई वित्तीय सेवाओं का आसानी से उपयोग कर सकते हैं।

# इंटरनेट बैंकिंग कैसे सेट करें?

- जब आप नए खाते के लिए आवेदन करते हैं तो आजकल अधिकांश बैंक आपके लिए एक ऑनलाइन बैंकिंग खाता खोलते हैं।
- आप अपने लिए एक इंटरनेट बैंकिंग खाता बनाने के लिए अपने बैंक से भी संपर्क कर सकते हैं।
- बैंक आपको ई-मेल या डाक द्वारा आपके ऑनलाइन बैंकिंग खाते के लिए एक यूजर आईडी और पासवर्ड प्रदान करेगा।
- इंटरनेट बैंकिंग में लॉगिन करने के लिए आप इन क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर सकते हैं।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# इंटरनेट बैंकिंग के प्रमुख लाभ

- समय बचाता है
- सुविधा
- आपको वित्तीय लेनदेन 24x7 करने की अनुमति देता है
- पूर्ण सुरक्षा
- मोबाइल एक्सेस

# इंटरनेट बैंकिंग से आसान किए गए महत्वपूर्ण कार्य

- फंड ट्रांसफर
- खाता विवरण की जांच करना
- सावधि जमा (FD) खोलना
- नई चेक बुक के लिए आवेदन
- नए डेबिट कार्ड पिन के लिए आवेदन करना
- करों, उपयोगिता बिलों, बीमा प्रीमियम आदि का भुगतान करना।
- ऋण के लिए आवेदन करना।

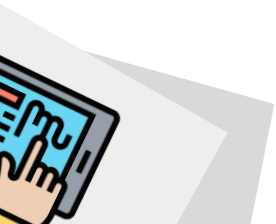





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# कस्टमर ID

कस्टमर ID एक विशिष्ट पहचान संख्या है जो बचत या चालू खाता रखने वाले प्रत्येक ग्राहक को दी जाती है।

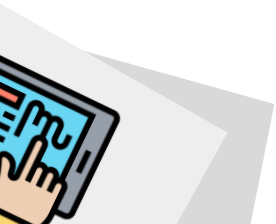



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते समय सावधानियां

- वर्चुअल कीबोर्ड का उपयोग करें
- अपने पासवर्ड नियमित रूप से बदलें और उन्हें समय-समय पर अपडेट करते रहें।
- लॉगिन करने के लिए सार्वजनिक कंप्यूटर का उपयोग न करें
- अपना विवरण किसी के साथ साझा न करें
- अपने बचत खाते की नियमित जांच करते रहें
- हमेशा लाइसेंस प्राप्त एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें
- उपयोग में न होने पर इंटरनेट कनेक्शन काट दें
- अपना इंटरनेट बैंकिंग URL टाइप करें

# नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT)

# 11

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

**वीडियो लिंक**

https://www.youtube.com/watch?v=j-0omV0Bqik

नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT) भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के स्वामित्व और संचालित एक राष्ट्रव्यापी केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली है।

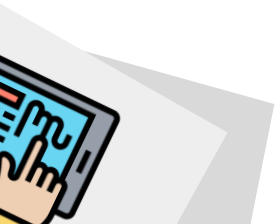



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# फंड ट्रांसफर और रसीद के लिए NEFT प्रणाली का उपयोग करने के लाभ

- वर्ष के सभी दिनों में चौबीसों घंटे उपलब्धता।
- लाभार्थी के खाते में लगभग रीयल-टाइम फंड ट्रांसफर और सुरक्षित तरीके से निपटान।
- सभी प्रकार के बैंकों की शाखाओं के बड़े नेटवर्क के माध्यम से अखिल भारतीय कवरेज।
- लाभार्थी के खाते में जमा होने पर SMS/ई-मेल द्वारा प्रेषक की सकारात्मक पुष्टि।
- क्रेडिट या लेनदेन की वापसी में देरी के लिए दंडात्मक ब्याज प्रावधान।
- RBI द्वारा बैंकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# फंड ट्रांसफर और रसीद के लिए NEFT प्रणाली का उपयोग करने के लाभ

- ऑनलाइन NEFT लेनदेन के लिए बचत बैंक खाता ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं।
- निधि अंतरण के अलावा, NEFT प्रणाली का उपयोग विभिन्न प्रकार के लेनदेन के लिए किया जा सकता है जिसमें कार्ड जारी करने वाले बैंकों को क्रेडिट कार्ड देय राशि का भुगतान, ऋण EMI का भुगतान, आवक विदेशी मुद्रा प्रेषण, आदि शामिल हैं।
- भारत से नेपाल के लिए एकतरफा धन हस्तांतरण के लिए उपलब्ध है।

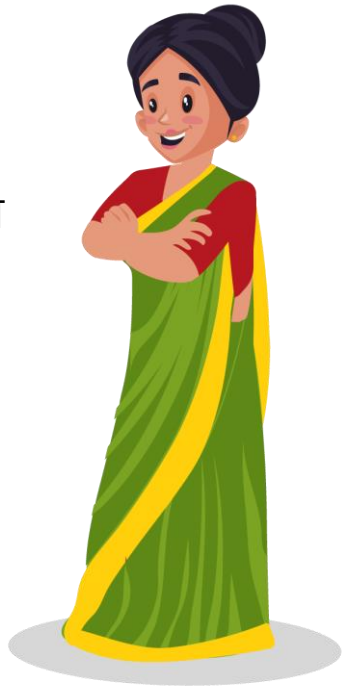

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# NEFT सिस्टम कैसे काम करता है?

एनईएफटी लेनदेन का चरण-वार प्रवाह निम्नलिखित है।

**चरण-1:**

- कोई व्यक्ति/फर्म/कॉर्पोरेट NEFT के माध्यम से फंड ट्रांसफर करना चाहता है, वह ऑनलाइन फंड ट्रांसफर अनुरोध शुरू करने के लिए अपने बैंक द्वारा दी जाने वाली इंटरनेट/मोबाइल बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर सकता है।
- प्रेषक को लाभार्थी का विवरण प्रदान करना होगा जैसे, लाभार्थी का नाम, बैंक शाखा का नाम जहां लाभार्थी का खाता, लाभार्थी की बैंक शाखा का IFSC, खाता प्रकार और खाता संख्या, आदि लाभार्थी को उसके इंटरनेट/मोबाइल बैंकिंग मॉड्यूल में जोड़ना है।

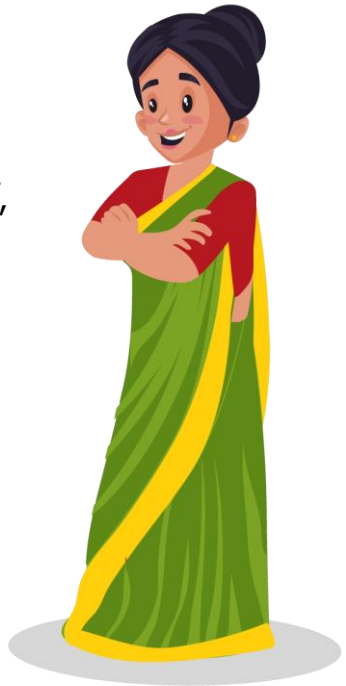

# NEFT सिस्टम कैसे काम करता है?

एनईएफटी लेनदेन का चरण-वार प्रवाह निम्नलिखित है।

**चरण-1: जारी**

- सफल लाभार्थी जुड़ने पर, प्रेषक अपने खाते में डेबिट को अधिकृत करके ऑनलाइन NEFT फंड ट्रांसफर शुरू कर सकता है।
- वैकल्पिक रूप से, प्रेषक शाखा/ऑफ-लाइन मोड के माध्यम से NEFT निधि अंतरण आरंभ करने के लिए अपनी बैंक शाखा में भी जा सकता है।
- ग्राहक को बैंक शाखा में उपलब्ध NEFT आवेदन पत्र में लाभार्थी विवरण भरना होगा और NEFT आवेदन पत्र में अनुरोधित राशि की सीमा तक शाखा को अपने खाते से डेबिट करने के लिए अधिकृत करना होगा।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# NEFT सिस्टम कैसे काम करता है?

- चरण -2: मूल बैंक एक संदेश तैयार करता है और संदेश को अपने पूलिंग केंद्र को भेजता है, जिसे NEFT सेवा केंद्र भी कहा जाता है।
- चरण -3: पूलिंग केंद्र अगले उपलब्ध बैच के लिए शामिल किए जाने के लिए RBI द्वारा संचालित NEFT समाशोधन केंद्र को संदेश भेजता है।
- चरण -4: समाशोधन केंद्र धन हस्तांतरण लेनदेन लाभार्थी को बैंक-वार क्रमबद्ध करता है और मूल बैंकों (डेबिट) से धन प्राप्त करने और लाभार्थी बैंकों (क्रेडिट) को धन देने के लिए लेखांकन प्रविष्टियां तैयार करता है। इसके बाद, बैंक-वार प्रेषण संदेश लाभार्थी बैंकों को उनके पूलिंग सेंटर (NEFT सेवा केंद्र) के माध्यम से भेजे जाते हैं।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# NEFT सिस्टम कैसे काम करता है?

- चरण -5: लाभार्थी बैंक समाशोधन केंद्र से आवक प्रेषण संदेश प्राप्त करते हैं और लाभार्थी ग्राहकों के खातों में क्रेडिट पास करते हैं।

# भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (IFSC) क्या है?

- IFSC या भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड एक अल्फा-न्यूमेरिक कोड है जो विशिष्ट रूप से NEFT प्रणाली में भाग लेने वाली बैंक-शाखा की पहचान करता है।
- यह 11 अंकों का कोड है जिसमें पहले 4 अल्फा वर्ण बैंक का प्रतिनिधित्व करते हैं, और अंतिम 6 वर्ण शाखा का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- पांचवां वर्ण 0 (शून्य) है। IFSC का उपयोग NEFT प्रणाली द्वारा मूल/गंतव्य बैंकों/शाखाओं की पहचान करने और संबंधित बैंकों/शाखाओं को उचित रूप से संदेश भेजने के लिए किया जाता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# NEFT प्रणाली के माध्यम से धन प्रेषण के लिए आवश्यक विवरण?

- लाभार्थी की पहचान के आवश्यक तत्व हैं:
- लाभार्थी का नाम
- लाभार्थी की शाखा का नाम
- लाभार्थी का बैंक का नाम
- खाते का प्रकार
- खाता संख्या
- लाभार्थी शाखा IFSC





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

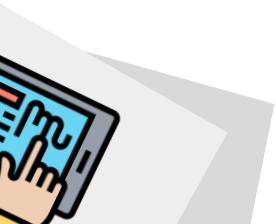

# सावधानियां

फंड ट्रांसफर करने से पहले लाभार्थी के खाता संख्या की जांच करें।

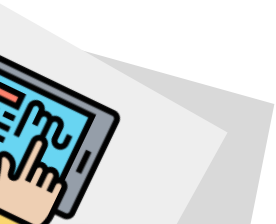





Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# रीयल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS)

# 12

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

- सीधे शब्दों में कहें, यह निधियों के निरंतर (वास्तविक समय) निपटान की प्रक्रिया है, जो व्यक्तिगत रूप से, ऑर्डर के आधार पर, बिना नेटिंग के होती है।
- यह देखते हुए कि निधियों का निपटान भारतीय रिजर्व बैंक की बहियों में होता है, RTGS के माध्यम से किया गया भुगतान अंतिम और अपरिवर्तनीय होता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

## RTGS का उपयोग करके, आप लेनदेन के लिए भुगतान कर सकते हैं, जैसे:

- नकद प्रबंधन हस्तांतरण
- बचाव-व्यवस्था
- ब्याज भुगतान
- ऋण भुगतान
- प्रतिभूति लेनदेन
- आपूर्तिकर्ता भुगतान
- कर भुगतान
- व्यापार भुगतान
- व्यापार निपटान भुगतान
- वस्तु और सेवा कर (GST) भुगतान





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# RTGS फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया क्या है?

- रीयल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया एक लाभार्थी को जोड़ने के साथ शुरू होती है।
- एक बार जब लाभार्थी जुड़ जाता है, तो आप फंड ट्रांसफर करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं।
- ऑनलाइन लेनदेन के लिए, इंटरनेट बैंकिंग और तृतीय-पक्ष निधि अंतरण सुविधाएं दोनों सक्रिय अवस्था में होनी चाहिए।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# RTGS के लिए लाभार्थी को जोड़ने के चरण:

- अपने यूजर ID और पासवर्ड के साथ XYZ बैंक इंटरनेट बैंकिंग/आईमोबाइल प में लॉगिन करें।
- 'पेमेंट्स एंड ट्रांसफर‘ टैब के तहत 'फंड ट्रांसफर' टैब पर जाएं।
- 'एक आदाता जोड़ें' पर क्लिक करें, और फिर लाभार्थी प्रकार 'अन्य बैंक प्राप्तकर्ता‘ का चयन करें
- लाभार्थी खाता विवरण या क्रेडिट कार्ड नंबर दर्ज करें
- बैंक और शाखा के नाम का उपयोग करके लाभार्थी के IFSC का चयन करें
- 'जोड़ें' पर क्लिक करें, फिर 'पुष्टि करें' पर क्लिक करें
- OTP का उपयोग करके पंजीकरण को प्रमाणित करें। एक बार सफलतापूर्वक प्रमाणित होने के बाद, प्राप्तकर्ता लेनदेन के लिए उपलब्ध होता है।

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# अपना RTGS फंड ट्रांसफर करने के चरण

- इंटरनेट बैंकिंग में लॉगिन करें
- 'फंड ट्रांसफर' टैब पर जाएं
- पंजीकृत लाभार्थियों की सूची में से 'लाभार्थी' का चयन करें
- डेबिट खाते का चयन करें, राशि दर्ज करें और टिप्पणी (वैकल्पिक) जोड़ें
- भुगतान विधि के रूप में RTGS का चयन करें
- विवरण की समीक्षा करें, और, यदि सब सही है, तो प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 'पुष्टि करें' पर क्लिक करें
- OTP का उपयोग करके लेनदेन को प्रमाणित करें और 'जमा करें' पर क्लिक करें





CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# सावधानियां

- आरंभिक और गंतव्य बैंक शाखाएं RTGS नेटवर्क का हिस्सा हैं।
- लाभार्थी विवरण, जैसे- लाभार्थी का नाम, खाता संख्या और खाता प्रकार, लाभार्थी बैंक शाखा का नाम और IFSC प्रेषित के पास उपलब्ध होना चाहिए।
- लाभार्थी की खाता संख्या प्रदान करने में अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए, क्योंकि RTGS लेनदेन की प्रक्रिया के दौरान, ग्राहक के खाते में क्रेडिट केवल RTGS प्रेषण निर्देश/संदेश में प्रदान की गई खाता संख्या के आधार पर दिया जाएगा।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# तत्काल भुगतान सेवा (IMPS)

# 13

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

तत्काल भुगतान सेवा (IMPS) मजबूत और रीयल टाइम फंड ट्रांसफर प्रदान करती है जो तत्काल, 24X7, इंटरबैंक इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सेवा प्रदान करती है जिसे मोबाइल, इंटरनेट, ATM, SMS जैसे कई चैनलों पर एक्सेस किया जा सकता है।

# IMPS के उद्देश्य

- बैंक ग्राहकों को अपने बैंक खातों तक पहुंचने और धन प्रेषण के लिए एक चैनल के रूप में मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम बनाना।
- केवल लाभार्थी के मोबाइल नंबर से भुगतान को आसान बनाना।
- खुदरा भुगतानों के इलेक्ट्रॉनिकीकरण में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के लक्ष्य को पूरा करना।
- भारतीय रिजर्व बैंक के मोबाइल भुगतान दिशानिर्देश 2008 के साथ भारत में पहले से ही शुरू की गई मोबाइल भुगतान प्रणाली की सुविधा के लिए बैंकों और मोबाइल ऑपरेटरों में एक संरक्षित और सुरक्षित तरीके से अंतर-संचालन योग्य होना।
- मोबाइल आधारित बैंकिंग सेवाओं की पूरी श्रृंखला के लिए नींव तैयार करना।

# IMPS के लिए प्रतिभागी इस प्रकार होंगे:

- प्रेषक (भेजने वाला)
- लाभार्थी (प्राप्तकर्ता)
- बैंकों
- राष्ट्रीय वित्तीय स्विच - NPCI



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# IMPS के माध्यम से मोबाइल बैंकिंग के लिए पूर्व-आवश्यकताएं

**प्रेषक के लिए पंजीकरण:**

- बैंक की मोबाइल बैंकिंग सेवा में अपना पंजीकरण कराएं।
- बैंक से मोबाइल मनी आइडेंटिफायर (MMID) और एमपिन प्राप्त करें
- मोबाइल बैंकिंग (एप्लीकेशन के साथ मोबाइल की संगतता सुनिश्चित करें) के लिए सॉफ्टवेयर (एप्लिकेशन) डाउनलोड करें या यदि आपका बैंक SMS पर IMPS प्रदान करता है तो अपने मोबाइल में SMS सुविधा का उपयोग करें।

**लाभार्थी के लिए पंजीकरण:**

- अपने मोबाइल नंबर को संबंधित बैंक के खाते से लिंक करें।
- बैंक से मोबाइल मनी आइडेंटिफायर (MMID) प्राप्त करें।

# IMPS के माध्यम से मोबाइल बैंकिंग के लिए पूर्व-आवश्यकताएं

**प्रेषक के लिए (पैसे भेजने के लिए):**

- एप्लिकेशन में लॉगिन करें और IMPS से IMPS मेनू का चयन करें या यदि आपका बैंक SMS पर IMPS प्रदान करता है तो अपने मोबाइल में SMS सुविधा का उपयोग करें।
- लाभार्थी का मोबाइल नंबर और MMID प्राप्त करें।
- लाभार्थी का मोबाइल नंबर, लाभार्थी का MMID, राशि और भेजने के लिए अपना MPIN दर्ज करें।
- आपके खाते में डेबिट और लाभार्थी के खाते में क्रेडिट के लिए पुष्टिकरण SMS की प्रतीक्षा करें।

Confederation of Indian Industry

Digital Saksham

# IMPS के माध्यम से मोबाइल बैंकिंग के लिए पूर्व-आवश्यकताएं

**प्रेषक के लिए (पैसे भेजने के लिए):**

- भविष्य की किसी भी सवाल के लिए लेन-देन संदर्भ संख्या नोट करें
- प्रेषक के साथ अपना मोबाइल नंबर और MMID साझा करें
- प्रेषक से अपने मोबाइल नंबर और MMID का उपयोग करके पैसे भेजने के लिए कहें
- प्रेषक से आपके खाते में क्रेडिट के लिए पुष्टिकरण SMS देखें
- भविष्य की किसी भी सवाल के लिए लेन-देन संदर्भ संख्या नोट करें



CII Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# IMPS उपयोग करते हुए सावधानियां

- विवरण की दोबारा जांच करें - प्रेषक को प्राप्तकर्ताओं के विवरण के बारे में सावधान रहना चाहिए क्योंकि एक अनजाने लेनदेन की राशि लाभार्थी की सहमति के बिना वापस नहीं की जा सकती है।
- मोबाइल नंबर और MMID का उपयोग करके पैसे भेजने को प्राथमिकता दें: एक गलत मोबाइल नंबर या MMID कभी मेल नहीं खाएगा। इसलिए अनजाने में फंड ट्रांसफर की संभावना कम होती है।
- ऑनलाइन धोखाधड़ी: साइबर हमले को अंजाम देने के लिए हैकर्स नकली MMID और मोबाइल नंबर का उपयोग करते हैं।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# ऑनलाइन बिल भुगतान

# 14

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# बिलों का ऑनलाइन भुगतान कैसे करें

- अपने बिलों को इकट्ठा करें, जिसमें खाता संख्या और पते शामिल हैं जहां आप भुगतान भेजते हैं।
- अपने बैंक के ऑनलाइन बिल भुगतान प्लेटफॉर्म में प्रत्येक बिलर की जानकारी दर्ज करें।
- चयन करें कि भुगतान कब भेजना है।
- आवर्ती या एकमुश्त भुगतान का चयन करें।
- प्रत्येक बिल देय होने पर ट्रैक करने के लिए अनुस्मारक सेट करें।

# विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन भुगतान के तरीके-

- क्रेडिट कार्ड
- डेबिट कार्ड:
- नेट बैंकिंग:
- ई-वॉलेट:
- UPI-

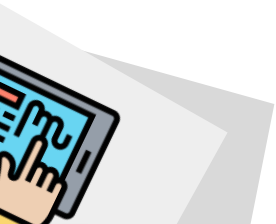



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# बिजली का बिल

बिजली बिलों का भुगतान नीचे दिए गए विभिन्न तरीकों से ऑनलाइन किया जा सकता है:

**बिजली बोर्ड की वेबसाइट**

- आज जो कंपनी आपको बिजली वितरित करती है, वह आपको अपनी वेबसाइट के माध्यम से बिल का भुगतान करने का विकल्प देती है। चरणों में शामिल हैं:
- बिजली कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और बिलिंग राशि की जांच करना
- फिर नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड, UPI, NEFT/RTGS, आदि के माध्यम से राशि का भुगतान करने के लिए आगे बढ़ना।
- आप एक स्थायी निर्देश भी जारी कर सकते हैं जहां देय राशि आपके बैंक खाते से देय तिथि पर स्वचालित रूप से काट ली जाएगी।

# बिजली का बिल

**UPI**

- UPI आपके बिजली बिल का भुगतान करने का सबसे सुविधाजनक तरीका बन गया है। आपके पास भीम UPI, गूगल पे, फोनपे आदि है।
- चरणों में शामिल हैं:
- अपने मोबाइल फोन में प डाउनलोड करें
- बिजली बिल भुगतान के विकल्प खोजें
- फिर अपना बिजली सेवा प्रदाता का चयन करें
- अपना बिजली बोर्ड खाता संख्या दर्ज करें।
- फिर आप देय राशि दर्ज कर सकते हैं और राशि स्वचालित रूप से बिजली सेवा प्रदाता के खाते में डेबिट कर दी जाएगी

# बिजली का बिल

**ई-वॉलेट**

मोबिक्विक, फ्रीचार्ज, पेटीएम जैसे ई-वॉलेट हैं जिनके माध्यम से आप अपने बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं।

- ऐप खोलें और बिजली सेवा प्रदाता   का चयन करें।
- बिजली बोर्ड खाता संख्या दर्ज करें और ई-वॉलेट कंपनी द्वारा आपके लिए बिल प्राप्त किया जाएगा।
- एक बार जब आप बिल देख लेते हैं, तो आप भुगतान करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# बिजली का बिल

**नेट बैंकिंग**

- अपने बैंक के नेट बैंकिंग पोर्टल में लॉगिन करें
- बिजली सेवा प्रदाता का चयन करें,
- बिजली बोर्ड खाता संख्या और देय राशि दर्ज करें।
- आप एक स्थायी निर्देश भी जारी कर सकते हैं जहां देय तिथि पर आपके बैंक खाते से बिलिंग राशि काट ली जाती है। हालांकि, इस सुविधा का उपयोग तभी करें जब आपके बैंक खाते में पर्याप्त राशि हो अन्यथा भुगतान में विफलता पर जुर्माना लग सकता है।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# पानी बिल

**विभिन्न ऑनलाइन भुगतान विधियों के माध्यम से भुगतान करने का एक सामान्य तरीका:**

- उस एप्लिकेशन में लॉगिन करें जिसके माध्यम से भुगतान किया जाएगा
- ऐप पर बिल और सेवाओं के तहत 'वाटर' विकल्प पर क्लिक करें
- अपने क्षेत्र के जल बोर्ड का चयन करें
- अब ग्राहक पहचान संख्या (जैसे उपभोक्ता संख्या, कनेक्शन संख्या, K संख्या आदि) दर्ज करें, फिर आगे बढ़ें पर क्लिक करें
- आपको अपने बिल के विवरण के साथ प्रस्तुत किया जाएगा
- विवरण की पुष्टि करने के बाद आगे बढ़ें पर क्लिक करें और अपनी भुगतान विधि का चयन करें
- आवश्यक पिन (एप्लीकेशन के आधार पर) दर्ज करके लेनदेन पूरा करें।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# टेलीफोन बिल (इंटरनेट बिल सहित)

**विभिन्न ऑनलाइन भुगतान विधियों के माध्यम से टेलीफोन बिलों का भुगतान करने का एक सामान्य तरीका**

- उस एप्लिकेशन में लॉगिन करें जिसके माध्यम से भुगतान किया जाएगा
- ऐप पर रिचार्ज /बिल के तहत 'ब्रॉडबैंड/लैंडलाइन' विकल्प पर क्लिक करें
- पहले ऑपरेटर और फिर STD नंबर का चयन करें
- आपको अपने बिल के विवरण के साथ प्रस्तुत किया जाएगा
- विवरण की पुष्टि करने के बाद आगे बढ़ें पर क्लिक करें और अपनी भुगतान विधि का चयन करें
- आवश्यक पिन (एप्लीकेशन के आधार पर) दर्ज करके लेनदेन पूरा करें।

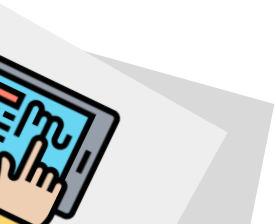

# मोबाइल बिल

- विभिन्न ऑनलाइन भुगतान विधियों के माध्यम से मोबाइल बिलों का भुगतान करने का एक सामान्य तरीका
- उस एप्लिकेशन में लॉगिन करें जिसके माध्यम से भुगतान किया जाएगा
- ऐप पर रिचार्ज /बिल के तहत 'मोबाइल/रिचार्ज' विकल्प पर क्लिक करें
- पोस्टपेड या प्रीपेड का चयन करें
- ऑपरेटर का चयन करें, मोबाइल नंबर और फिर राशि दर्ज करें।
- विवरण की पुष्टि करने के बाद आगे बढ़ें पर क्लिक करें और अपनी भुगतान विधि का चयन करें
- आवश्यक पिन दर्ज करके लेनदेन पूरा करें



CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# ऑनलाइन बिलों का भुगतान करते समय सावधानियां

- कार्ड विवरण सहेजने से बचें - अपना लेनदेन पूरा करने के बाद अपने कार्ड की जानकारी हटा दें।
- ऑनलाइन लेनदेन के लिए निजी विंडो/टैब का प्रयोग करें
- उन्नत वित्तीय सुरक्षा के लिए HTTPS:// से शुरू होने वाले सुरक्षित कनेक्शन का उपयोग करें।
- पासवर्ड, OTP, CVV साझा न करें।
- सार्वजनिक कंप्यूटर/वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करने से बचें
- फर्जी प्स से सावधान रहें।

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# प्रमुख निष्कर्ष

15

CII
Confederation of Indian Industry
Digital Saksham

# प्रमुख निष्कर्ष

- प्रतिभागियों को डिजिटल वित्तीय लेनदेन के विभिन्न तरीकों के बारे में ज्ञान उनकी वित्तीय और डिजिटल साक्षरता में सुधार करेगा।
- इससे उन्हें पहले की तुलना में अधिक भुगतान और धन प्राप्त करने के विकल्प प्रदान करने में मदद मिलेगी।
- यह ग्राहकों के अनुभव में सुधार करेगा, लागत बचाएगा और अंततः आधुनिक डिजिटल वित्तीय उपकरणों के व्यवसायी के रूप में व्यवसाय के लिए बेहतर ब्रांड मूल्य की ओर ले जाएगा।

# धन्यवाद!!!

Confederation of Indian Industry
Digital Saksham